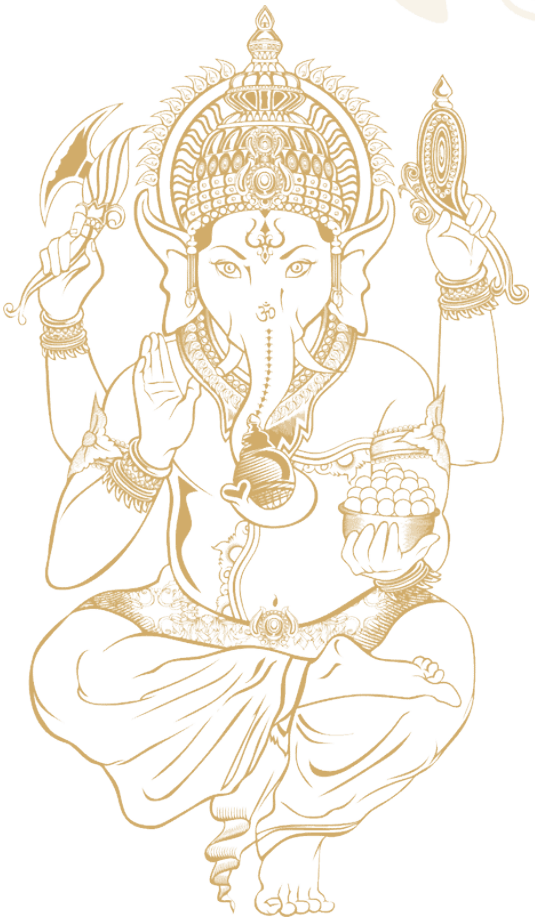

Ms.kishori

26 Sep 1997

08:15 AM

Barsana

Model: web-freekundliweb

Order No: 120749302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26/09/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	05:10:21 घटी
स्थान	**Barsana**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:38:00 उत्तर
रेखांश	77:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:54:28 घंटे
वेलान्तर	00:08:36 घंटे
साम्पातिक काल	08:14:16 घंटे
सूर्योदय	06:10:51 घंटे
सूर्यास्त	18:12:31 घंटे
दिनमान	12:01:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:13:47 कन्या
लग्न के अंश	05:47:22 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:47:22	314:32:13	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	09:13:47	00:58:50	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कर्क	08:28:25	12:06:55	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	04:12:56	00:41:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	25:21:49	01:42:04	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मक	18:30:37	00:02:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	22:20:26	01:08:32	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		मीन	24:10:31	00:04:29	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	25:53:12	00:01:25	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:53:12	00:01:25	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:03:03	00:00:54	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:24:08	00:00:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:31:39	00:01:24	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	07:30:29	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

लग्न-चलित

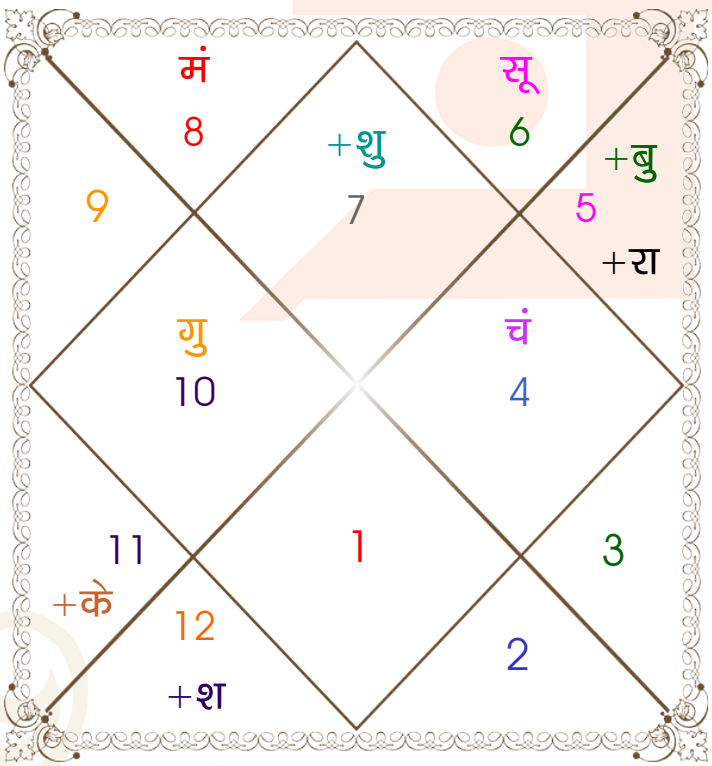

चन्द्र कुंडली

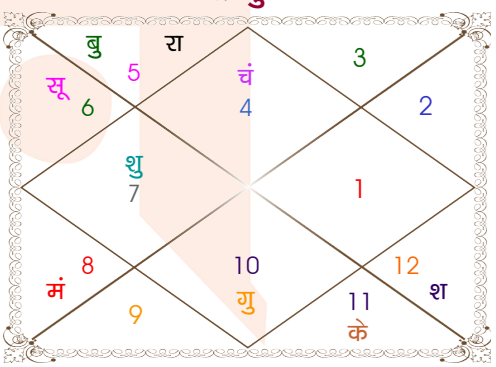

नवमांश कुंडली

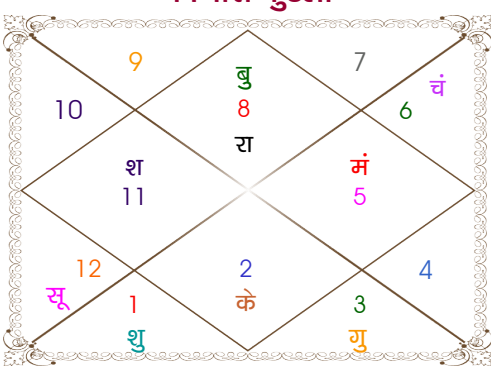

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 8 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/09/1997		30/05/2009		30/05/2026		30/05/2033		30/05/2053	
30/05/2009		30/05/2026		30/05/2033		30/05/2053		31/05/2059	
	00/00/0000	बुध	27/10/2011	केतु	27/10/2026	शुक्र	29/09/2036	सूर्य	17/09/2053
	00/00/0000	केतु	23/10/2012	शुक्र	27/12/2027	सूर्य	29/09/2037	चंद्र	18/03/2054
	26/09/1997	शुक्र	24/08/2015	सूर्य	03/05/2028	चंद्र	31/05/2039	मंगल	24/07/2054
शुक्र	21/05/2000	सूर्य	29/06/2016	चंद्र	02/12/2028	मंगल	30/07/2040	राहु	18/06/2055
सूर्य	03/05/2001	चंद्र	29/11/2017	मंगल	30/04/2029	राहु	31/07/2043	गुरु	05/04/2056
चंद्र	02/12/2002	मंगल	26/11/2018	राहु	18/05/2030	गुरु	31/03/2046	शनि	18/03/2057
मंगल	11/01/2004	राहु	14/06/2021	गुरु	24/04/2031	शनि	30/05/2049	बुध	23/01/2058
राहु	17/11/2006	गुरु	20/09/2023	शनि	02/06/2032	बुध	30/03/2052	केतु	30/05/2058
गुरु	30/05/2009	शनि	30/05/2026	बुध	30/05/2033	केतु	30/05/2053	शुक्र	31/05/2059

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/05/2059		30/05/2069		30/05/2076		30/05/2094		31/05/2110	
30/05/2069		30/05/2076		30/05/2094		31/05/2110		00/00/0000	
चंद्र	30/03/2060	मंगल	26/10/2069	राहु	10/02/2079	गुरु	18/07/2096	शनि	03/06/2113
मंगल	29/10/2060	राहु	14/11/2070	गुरु	06/07/2081	शनि	29/01/2099	बुध	11/02/2116
राहु	30/04/2062	गुरु	21/10/2071	शनि	12/05/2084	बुध	07/05/2101	केतु	22/03/2117
गुरु	30/08/2063	शनि	29/11/2072	बुध	29/11/2086	केतु	13/04/2102	शुक्र	27/09/2117
शनि	30/03/2065	बुध	26/11/2073	केतु	18/12/2087	शुक्र	12/12/2104		00/00/0000
बुध	30/08/2066	केतु	24/04/2074	शुक्र	17/12/2090	सूर्य	30/09/2105		00/00/0000
केतु	31/03/2067	शुक्र	24/06/2075	सूर्य	11/11/2091	चंद्र	30/01/2107		00/00/0000
शुक्र	29/11/2068	सूर्य	30/10/2075	चंद्र	12/05/2093	मंगल	06/01/2108		00/00/0000
सूर्य	30/05/2069	चंद्र	30/05/2076	मंगल	30/05/2094	राहु	31/05/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 11 वर्ष 8 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।